९१०/पु २५

इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक [illegible] पु० २६ (४८५)

ग्रंथ नाम गोपीचंदाख्यान

विषय कथा पुराणें

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

कपाट

क-हाड कागद ६५२

५- ७/८-२

गोपीचंद आख्यान (जुरितं)

भा. ३

मराठी क. ३१ ३।८

५

४७०/५२६

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

॥श्रीगोपीचंद॥

गोपी आ १ ॥श्रीगणेशायेनमः॥श्रीसरस्वत्येनमः॥श्रीगुरुयेनमः॥ चंद आ १
॥अलखनीरंजन नगरीकाउ रे राज्या॥ ओ वो नही
॥नहीदूज्याकोई जु॥१॥ आवलनाम मेरोसांई का
॥लीज्यो जीलीज्यो॥ मलीजोमेरो भाईजु॥
॥२॥मटीरवोजरवो जमा लबनायाराज्या॥ चानी
॥ कें कुताये घरमे राजु॥३॥ जब आवे कंठ द बा
॥वे तुं को राज्या॥ तबये चरते रानामे राजु॥४॥ बा
॥राखौ रानीज्याकी सोलासो सहेली बाबा॥ गोउबं
॥गालका राज्या भागीजु॥५॥ सोने की सारिचंद

(2)

॥न कीचोकीं पर बाला॥ गोपीचंदरा न्हाव नेकुं बेठाजु॥६॥
॥देख सूरत मेनावती रो वन्न लागी॥ आंबको न्हेरा
१ ॥खेतरि कायाजु॥७॥ वानंरी बादल बेरू खावुंद कांसे १
॥आयो॥ मन्न मो बीच्पार केर राख्याजु॥८॥ फीर कोरे
॥ख पाछें तब राज्य गोपीचंदरा॥ मंगा मेनावती माउीरो
॥वेजु॥९॥ सात से मारु [illegible] चेहेरा बछरा मयां॥ न्हेय
॥न्हेभर केयउ रोवेजु॥१०॥ बाव न्हे लाखे तं रोभंणार
॥भेरा रिमयां॥ चोर पाग आठ रा लाख न्हेजु॥११॥
॥कीरुम कुमयां मेरि आन धन्न रीची रो॥ कीको न
॥मेरु लों बुरा बोलीजु॥१२॥ नामेरो गोपीचंदा मोकुं

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(2A)

गोपी ॥आनंधनंघोरो॥नामेरुलोंवीचदींन्हीगारिजु॥१३॥ चंद्र
॥आयेसीसुरततेरेबापकीथीरेबेया॥येकदीनंमी
आ १ ॥लगईमरीजु॥१४॥येसीसुरततेरिंहोरेवालागो आ १
॥पीचंदा॥येजलयवे [illegible] रेथकजु॥१५॥हारज
॥लिंगेजउलधकरि [illegible] या॥वालजलीगेजेसा
॥घांसजु॥१६॥येगंई [illegible] तेरियेउंजलेगीरिबेया॥
॥कोहीनंईआवेतेरेपासजु॥१७॥सोनेसरिरयेका
॥यायेउंजलेगीरिबेया॥जउरंहमन्नकुउदासजु॥
॥१८॥जीसदेहकातूंगरभकरताहेबेया॥सोतो
॥सुनंलेपूसन्नकीयाटीजु॥१९॥तेलफुलेलचोक

"Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai"

(3)

॥ घर सुमधंलंगावे ॥ उपारखी रघन्नं मीलेगी मांयीजु ॥
॥ २० ॥ जीसदी न्वंतूज कुंलेकरज मंके आगे ॥ बांध
॥ पकरकरलेज्यावेजु ॥ २१ ॥ उसदीनंतो कुंकोनं छुडावे
२ ॥ गारेराज्या ॥ रामबीना सुंग नउआवेकोंजु ॥ २२ ॥ जी २
॥ सदीनं तोकुंजमंके उ[illegible]रकर ॥ बांध पकरलेज्या
॥ वेचा हांजु ॥ २३ ॥ लेखा[illegible]घरि घरि पल पलका पुछे
॥ गा ॥ उसदीनं रामं संभाल गाजु ॥ २४ ॥ रतन्नं सारि
॥ खीकायायेउंजलेगी बेटा ॥ जैसी कोहोले कुपन्नं
॥ तायीजु ॥ २५ ॥ मेरामे राकहते सबगये हारं राज्या ॥
॥ वोबीकरमं सारिखा भाईजु ॥ २६ ॥ जैसा हायकोई

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3A)

८

गोपी ॥पीरपेगवंरवोजोगी ॥ आमररारवेयोमेरिकायाजु॥
॥२७॥ आप्रेशाहामीतोपीरज्यालंधर जोगी ॥ आ चंद
आ ॥मररारवेयेतरिकायाजु ॥२८॥ बारावरसमुजेराज आ
१ ॥करनेदे माया ॥ आ ... जोगीजु ॥२९॥ १
॥धरियेकपलकी ... रेबैठा ॥ बारावरसकी
॥नेटरयारजु ॥३०॥ ... दीरवामयापीरज्यालं
॥धरजोगी ॥ आमररा ... मेरिकायाजु ॥३१॥ माता
॥मैनावतिराज्यामीलपागोमेज्याये ॥ जोगीरमंताहूवा
॥मौंगीनेजु ॥३२॥ कोईयेकदीनबैठापीरज्यालंधर
॥जोगी ॥ गगनीहूईयेकबान्हीजु ॥३३॥ ज्यालंधर

Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai — Joint project

(५)

॥तेरे सब जनम चुके आब॥ पेतो धेउ मां गीन ही आ
॥ पा जु॥३७॥ गगंन्न बानी की ये बात सुन्न करे राज्या॥
॥म न्मा बीच्यार करने लागा जु॥३९॥ आव म्या
॥पे तें दे रुये री ज्या ॥ ये ह्नु रकर न्ना ये जन्मं:
॥ औ रा जु ॥३६॥ मो [illegible] मिबु धी कैं सी हों वे गी हा
॥ मे सें॥ तें को नं गा तें हा [illegible] पे जु॥३७॥ तब ओ सा
॥ बीच्या रे दरव जो गी ज्या ल चर॥ बोर भं गा हु वा धे
॥ उ मां गा जु॥३८॥ ये दे रु ब्या की का सा उ ये ही जन्म मे
॥ ही पा॥ बहू र नै को नं आ वे फे र जु॥३४॥ जो गा जु गा
॥ तसे जो ग कं मा व नं लागे बो॥ राज्या के र ये तो न उ

(५A)

गोपी ॥पापीजु ॥ ४७ ॥ हामारे शीहर भीतर ये पापीका चंद
॥च्यारा ॥ ये मयांसे गोपीचंद बोलेजु ॥ ४९ ॥ ली
अ॥ ॥दखुडीमे जारो जोगी उठाकर बोला ॥ सेवक सेवो अ॥
१ ॥बात बोलाजु ॥ ५० ॥ तब ली दखुडीमे जारो जो १
॥गी उठाकर ॥ तामे [illegible] बेठ धरे ध्यान जु ॥ ५३ ॥
॥फेर स्तालीके उपर प[illegible] आये गोपीचंद ॥ मात
॥हो चेस्तेलो सोई स्याप[illegible]जु ॥ ५४ ॥ मनमे बीच्यारक
॥रते गोपीचंदा राज्या ॥ मीलेगा सुयाब उ आकोई जोगी
॥जु ॥ ५५ ॥ आव धूत कस्ते असी दुनीयाके स्हेर ॥
॥ आंतर कीको ईन हीं ज्याने जु ॥ ५६ ॥ ज्यालंधेर

(5)

८ ॥जोगीरखाईमोजेरे राज्या॥वामो जोगीमुद्राधरे ध्यानं ८
॥जु॥४७॥गोपीचंदराज्यामंन्नमोसोद करेजे॥या
॥हांकेाईस्यांतआवेबराज॥४८॥सबदेसकीखबं
॥रमंगावेगोपीचंद[illegible]आंबरराखेमेरिकायाजु॥
॥४९॥ऐसेबचनसुन[illegible]ज्याराजकेर॥मन्नंमोधो
॥कागुरुचरनोजु॥५०॥इतीश्री गोपीचंदआख्या
॥नरभ॥अ॥ध्या॥च थमसंपुर्णमस्तु॥१॥शुभमभवतु॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(5A)

गोपी ॥श्रीगणेशायेनमः॥ बाराबरस हूये ज्यालें धर जोगी चंद

॥याकुं॥ कानीफा रमते चला आया जु॥१॥ ह्यातीचो

आ २ ॥उबडूमूरतसें रान्नमोहोट॥ वाह्या जोगी रोटी पकावे आ २

॥जु॥२॥ गोरकनात रमते हुये गहर मंछींद्रकुं॥ धुंउते

॥हूये चला ज्याये जु॥ [illegible] ह्यां देखे कानीफा जोगी

॥लाकमूरसें॥ जंगल मो उतर पउहे जु॥ [illegible] रावम

॥न्नमो बीच्यार करत गोरखजी॥ बउआसंत को न्न

॥असा ज्याता जु॥४॥ बोरान्नमो यक स्या उतलेकु

॥बोरखा॥ बोछाये तलेकं ध्या ह्यात रिजु॥५॥ बाह्योय

॥यक मुरत आयो गोरकपास॥ उने देखा ये आतीत

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

॥सोआयाजु॥७॥कानीफाजोगीकेसंग बेउ आवेउ मूरत॥
॥आजनै केरवातर बुलायेजु॥८॥नौ बता करना शी
॥गी बाजनै लागी तारी॥ आतीत मीले जा तेषाने कु
॥जु॥९॥ येक जोगी कानीफा का चेला गूरूसे कहता॥
॥येक मूरत भूकी होई आयाजु॥१०॥कानीफा जोगी
॥बोला वाकुं बेग बुलावो॥ सो चक गोरक पास
॥आयाजु॥११॥चेला बोला उठो सांरी तूमें सारे
॥बबुलोया॥ गरु च सार पावने चलोजु॥१२॥त
॥ब उनसे गोरकजी कहे साधुजी॥ मोसे उठा च
॥ला न रही जावजु॥१३॥ हमारा पतर येत मेलजा

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai.

(6A)

गोपी ॥वोसाहीजी॥ आदसकहोवामेरेभाईजु॥१४॥ आप चंद

॥तरलेआयाजोगीगुरुसांईसेकेता॥ उसकुंउ

आ २ ॥छानसीज्यावेजु॥१५॥ येपतरभरलावोबोला आ २

॥गुरुझासे॥ आग[illegible]कुंसाहीकहनाजु॥१६॥

॥कानीपागुरुनेअ[illegible]लावाकुंदवही॥ चेला

॥पतरभरनेलागा[illegible]॥ भरनेलागाकुंउभ

॥रानसीज्यावेबतो[illegible]वकमन्नमोधाकाजु॥

॥१८॥ झाकमारगुरुसेबोलासबआन्नखावे॥ येप

॥तरभररानसीज्यावेजु॥१९॥ यापतरमोआन्नभर

॥[illegible]मतीआव॥ यामोबीस्याकछुदेखेसांईजु॥२०॥

"Joint project of the Rajavade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(७)

॥ पंचारासून कानीफा भ जोर पास आया ॥ बोला आ
॥ न भराज्या वे भेरो जु ॥ २१ ॥ सब ढी अन भेर पातर
॥ खाली दरसो ॥ तब करु जोगी उठा ला चो जु ॥ २२ ॥
॥ चला च्यारी दवरा ... गोरख पास ॥ चले तू
॥ म कुछ ठाले ज्या वे ... ॥ उन से करु गोरख मे
॥ रि कंथा ले वो ॥ ... स चले आव त जु ॥ २४ ॥
॥ गोदरि उठा वन ला ... सो फा के शेवक ॥ कंथा वो
॥ जगा न रु छो उ चले जु ॥ २५ ॥ दवरे ज्या कर कानी
॥ फा से बोले शेवक ॥ सुने त कानी फा च ला आया जु ॥
॥ २६ ॥ तबी उस गोरख पास कानी फा आया ॥ बहु

Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(7A)

छंदी ॥१९॥ हाती घोडे नगारे बाजे ॥ नीशान्न भग वे बाने सु ॥ चंद
॥ लाख मुरत सीध साधु ॥ नीकल भये तब ही दासु ॥२०॥
आ ॥ कुच पर कुच चलते ॥ गोउ च गाले कर स्ता ॥ मन्न मो सा
॥ धर कर के ॥ ऐसा चलाज्या ॥ बेकानीपा ॥ बही खुसी
॥ सब के मन्न के ॥२१॥ [illegible] नो स्वारी ज्यांचे ॥ मार
॥ ग पंथ चे बेग प. वे ॥ गुरू पंथा नजर आवे ॥ चलते च
॥ लते चलावे ॥२२॥ ऐसे साधा से मील ना उन्न कि
॥ दो वाघ उ ना केहु ॥ साडे बसे मील न्ना तब ही ज
॥ न मे उधार रहे ॥२३॥ ईती श्री गो पी चंद आख्या
॥ न ली रचीत ॥ संवाद आसे ॥ ईती प्रसंग ॥ आख्या तीसरा ॥

(8)

॥ इती गोपीचंद आख्यानं प्रसंग ॥ ७ तीसरा समात ॥ ७ ॥

११

(१)

गोपी ॥श्रीगणेशायनमः॥ गोरखजीकानीपाकेरे: छोडपंत चंद

॥चलतां ज्यावे॥ मुरुपगपांउमनेसे: मुगतकुंमी

आ ॥लज्यावे॥१॥ संगलदीपकुंचलेरे: चलतेस्वौरा आ

॥नमोगया॥ पांचसु[illegible] जलररे: मोमछीदरने

॥यपाया॥२॥ गोरख[illegible]नाहेरे: करपरमीनीसे

॥बोला॥ फेरउनेशेवक[illegible]: आग्याफरमाकरबोला॥

॥३॥ जोगीजगमेशेवा[illegible] फयासन्यासीआया॥

॥याकोआननरदेचनाः उसकुंमारलेजीया॥४॥

॥येउशेवकसेरानीने: हुकुमदेकरलगाये॥ आग्या

॥मानकरशेवक: छ्यातीतनहीआवेसोया॥५॥ गो

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१०)

॥रेवनाथजीपथसे: चलेहूये गावे गाव सोभी
॥छालेरे घर घरसे: मैयेक बाहर मोघरसे॥६॥:
॥ज्याके रेआल रव जगाई: बाह्मणीने पुछा उसकु॥
॥छोटेपन्नमे कीनेतु [illegible] जोगीवनावन्नकु॥
१२ ॥७॥गोरकनाथजी [illegible] जे: भीक्षा चालेगीतो १२
॥घालना॥ नहीतो [illegible] माई: भीछादेबोलीतू
॥दैयाना॥८॥ तूका ह्मा ताहे रजोगी: उनेबोला
॥खोराजमें पाउं॥ उने कही जोमनज्याना: जोज्यावेसो
॥मरणपाउं॥९॥ आतीरायाकुमनो कीया: तुमराजा

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(१०A)

गोपी ॥नाेरे बच्चा ॥ ऐसा बचनन सुनकर : गोरकजीके मनमो चंद्र

॥ख्योच्या ॥१०॥ तब येक बागमा ज्यावे : तो वाहा खवर

आ ॥पीआये ॥ उनकुं पुछे तुम काज्यावे : वो बोले त्रोयाच आ

॥रजाच्या ॥११ लकन पखवाजी : दुरयने पडाहे

॥समान ई ॥ गोरखनाथ करते : परववाज बज्याउं

॥मेई ॥१२॥ बहुरूपी कर जोगी : हमारा तालका

॥बाजना ॥ तब दीगा बजावे : तालउतारे मनमाना ॥

॥१३॥ बडा कसबी कर बुजे : वाकुं आपके संग कीये ॥

॥ माछजीने येक छांउके : बीराने येक बादलये ॥१४॥

॥ फेर दुरे दीन कुं ज्यावे : भउरूपी सगलदीपे ॥ रखबर

(11)

॥ मालुमं होगई: परीमिव रानीसमीप ॥१५॥ धुंउन
॥ झेये गोरख: आया वद्रूरूपीके संगकेसा ॥ गुरख आ
॥ इनोन बातादो: खरपरचंदनंजे सा ॥१६॥ नाथमछीं
13 ॥ द्र बैठा सभा: बद्रूरूपी [illegible] लायो ॥ ताल पखवाजे 13
॥ लेकर संग सबी मी [illegible] आयो ॥१७॥ गोरख नाथ
॥ पखवाजे: लेकर पा [illegible] लागा ॥ चलो मछींदर
॥ ध्वनी: बोले मदीम ध्वं [illegible] पागा ॥१८॥ चलो मछीं
॥ र उठो मछीदर: गोरख आगो आया ॥ नाथमछीदंर
॥ चोरवीपे: इतउरादनेई पाया ॥१९॥ सकल सभामोधुं
॥ उने: लागे: नाथपुछता को [illegible] ॥ चलो मछींदरमाध

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com